श्री दक्षिणामूर्ति पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
श्री १००८ स्वामी पुण्यानन्द गिरि जी महाराज
का
संक्षिप्त परिचय

जन्म : 9 नवम्बर 1954

शिक्षा : श्री दक्षिणामूर्ति संस्कृत महाविद्यालय

वेदान्ताचार्य : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय से लब्ध स्वर्ण पदक।

कार्यक्षेत्र : दिल्ली, कोलकाता, बीकानेर, हिमाचल प्रदेश, उज्जैन, उत्तराखण्ड, नेपाल, वाराणसी, नागपुर आदि।

कार्य : वैदिक सनातनधर्म एवं शाङ्कर वेदान्त दर्शन एवं उपनिषद्, गीता आदि विषयों पर प्रवचन।

अभिरुचि : शास्त्रीय विषय पर परिचर्चा, प्राचीन भारतीय कला के प्रति विशेष अभिरुचि।

श्री दक्षिणामूर्ति पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
श्री १००८ स्वामी पुण्यानन्द गिरि जी महाराज
द्वारा सञ्चालित संस्थाओं का
सामान्य परिचय

1. श्री विश्वनाथ संन्यास आश्रम, वेला रोड, दिल्ली-54

भारत की राजधानी दिल्ली सिविल लाइन्स में यह भव्य आश्रम है। एक ओर शिवपञ्चायत एवं भगवान् लक्ष्मीनारायण के भव्य मन्दिर की सन्निधि में प्रतिदिन वेदान्त सत्संग के साथ विविध धार्मिक गतिविधियाँ निरन्तर चलती रहती है तो वहीं दूसरी ओर सन्त-महन्तों का निवास स्थान भी है। इसके अन्तर्गत **विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय** यमुना जी के किनारे सुव्यवस्थित परिसर में स्थित है। शताधिक छात्रों के लिए नि:शुल्क भोजन आवास आदि की व्यवस्था है। इस विद्यालय से विद्याविभूषित विद्वान भारत के अग्रगण्य महाविद्यालय, विश्वविद्यालय एवं आकाशवाणी जैसे माध्यमों से संस्कृत का प्रचार-प्रसार कर गरिमामय ढंग से अपना जीवन जी रहे हैं। वेद-वेदान्त एवं व्याकरण के अभ्यास को यहाँ अहम् महत्त्व दिया जाता है।

सम्पर्क :- 011-23942151

2. श्री दक्षिणामूर्ति मठ, मिश्रपोखरा, वाराणसी

यह प्राच्य विद्या के चिन्तन-मनन का महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठित संस्थान है। अनेक प्राचीन ग्रन्थों के भाष्य एवं टीकाओं का यहाँ विशद पुस्तकालय एवं प्रकाशन भी है। अतिथि-अभ्यागत, सन्त-महात्माओं की सेवा होती

है। एवं संस्कृत पाठशाला **श्री दक्षिणामूर्ति संस्कृत महाविद्यालय** के नाम से चलाया जाता है। यहाँ अध्ययनरत सभी सन्तों एवं छात्रों को भोजन एवं आवास आदि की नि:शुल्क व्यवस्था है।

सम्पर्क :- **+91-7239026155**

3. शङ्कर मठ, आबू पर्वत, राजस्थान

यहाँ पर आगन्तुक यात्रियों के हेतु सुव्यवस्थित आवास की व्यवस्था है। सन्त-महात्माओं के स्वाध्याय एवं निवास हेतु विशाल भव्य परिसर में **शङ्कर मठ** की स्थापना की गयी है। साथ ही भाष्य आदि प्राचीन ग्रन्थों के प्रकाशन व वितरण की व्यवस्था की जाती है। विशाल शिवालय के द्वारा आस्थावान जनता में शिव आराधना की चेतना का विकास करना ही यहाँ का प्रमुख लक्ष्य है। सम्पर्क :- **+91-6350100027**

4. उमामहेश्वर संन्यास आश्रम, वैरागी कैम्प, कनखल, हरिद्वार

इस आश्रम का निर्माण गंगा के तट पर किया गया है। आगन्तुक भक्तों के स्नान आदि हेतु सुन्दर घाट का निर्माण किया गया है। आगन्तुक भक्तों एवं सन्तों के आवास हेतु भव्य भवन सहित सभी को नि:शुल्क भोजन-प्रसाद प्रदान किया जाता है। यहाँ पर भी भव्य शिवालय का निर्माण किया गया है। जिसके कारण निरन्तर धार्मिक गतिविधियाँ चलती रहती है। वैदिक सनातनधर्म की रक्षा के लिए प्राचीन परम्परानुसार करीबन ५० ब्राह्मण बालकों को वेदाध्ययन की सुविधा के साथ पञ्चदेवोपासना पद्धति से उन्हें वैदिक कर्मकाण्ड का प्रशिक्षण दिया जाता है। गौ-सेवा व सन्त-सेवा प्रमुख लक्ष्य रखा गया है।

सम्पर्क :- **+91-9897025733**

5. दक्षिणामूर्ति संन्यास आश्रम, चण्डोल, काठमाडौ, नेपाल

यहाँ पर लक्ष्मी नारायण शिवपञ्चायतन देवालय की स्थापना की गयी है। आर्थिक एवं पारिवारिक दृष्टि से नितान्त असमर्थ २०-२५ बच्चों का नि:शुल्क उच्च शिक्षा पर्यन्त शिक्षण एवं भरण-पोषण की व्यवस्था यहाँ से की जाती है। सम्पर्क :- **+977-9841223400**

6. विश्वनाथ लाल गोविन्द संन्यास आश्रम, चितवन, नेपाल

विशाल भूखण्ड के अन्दर वैदिक सनातन धर्म की नवचेतना का जन-साधारण में विकास करने के लिये भव्य शिव मन्दिर की स्थापना की गयी है, एवं भविष्य में छात्रों की व्यवस्था की योजना है। अध्ययनशील छात्रों को अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनाने के लिये कृषि सम्बन्धी उन्नत प्रक्रिया का प्रायोगिक अभ्यास, सत्संग पूजन एवं नि:शुल्क अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था का विकास करना ही आश्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

7. लक्ष्मी नारायण देवस्थान, टंगाल दरवार, काठमाडौ, नेपाल

आर्थिक दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण स्थान होने से उत्पादनमूलक विशिष्ट अनुसन्धान संस्थान एवं गुरुकुल के द्वारा असमर्थ प्रतिभावान बच्चों की प्रतिभा को पूर्णतया विकसित करने की दूरगामी योजना क्रियान्वित होने के अति सन्निकट है।

8. श्री दक्षिणामूर्ति गौशाला, बहादराबाद, हरिद्वार

वैदिक सनातन धर्म के ऋषि-मुनियों के द्वारा सुनिश्चित आर्थिक एवं आध्यात्मिक भारतीय धार्मिक सम्पदा गौवंश के संरक्षण व संवर्धन की दृष्टि से 200 गायों के उपर अनुसन्धानात्मक कृषिमूलक उत्पादन

व्यवस्था का संचालन। यहाँ पर शिवपञ्चायतन देवालय एवं विशाल खेती के योग्य जमीन है। सम्पर्क :- +91-9068175222

9. श्री विश्वनाथ संन्यास आश्रम, बीकानेर

वैदिक सनातन धर्म के विकास के लिए एक विशुद्ध वैदिक पाठशाला की स्थापना, प्राच्यविद्या, वैदिक विज्ञान शोध संस्थान की स्थापना एवं परिचालन किया गया है। योग्य विद्वान वैदिक ब्राह्मणों द्वारा छोटे बालकों में वैदिक संस्कार का आधान किया जाता है।
सम्पर्क :- +91-8619839109

10. शङ्कर सनातन संस्कृत पाठशाला, नापासर, राजस्थान

करीबन 80 साल पुराने शिवालय के साथ स्थित शङ्कर संस्कृत पाठशाला में शताधिक ब्राह्मण बालक वैदिक शिक्षा विद्वान आचार्यों के निर्देशन में ग्रहण करते हैं। यहाँ से पठित छात्रों का कर्मकाण्ड, प्रवचन व कथावाचन आदि में सारे देश में सम्मान है।
सम्पर्क :- +91-9784331855

11. दशनाम संन्यास आश्रम, चुंगी चौकी, अजमेर रोड, पुष्कर

तीर्थ नगरी पुष्कर में आगन्तुक भक्तों के आवास भोजन आदि की व्यवस्था के साथ छात्र संस्कृत भाषा का अध्ययन करते हैं, सन्त-सेवा के साथ यथाशक्ति गौ-सेवा की जाती है। वैसे भी सामान्यतया हमारे प्रत्येक स्थान पर गायें पाली जाती है तथा गौ, द्विज, देवता व अतिथि की पूर्ण मनोयोग से सेवा की जाती है।
सम्पर्क :- +0145-2772204

12. संन्यास आश्रम, गिरिगंगा, खड़ा पत्थर, हिमाचल प्रदेश

हमारे उपर्युक्त सभी संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों को विद्यालयीय अवकाश के समय विशेष शिविरों का आयोजन करके शिक्षार्थियों में मौलिक प्रतिभा का विकास के लिये विशेषज्ञ विद्वान् एवं छात्रों को आवास, भोजन आदि की व्यवस्था के लिए भवन निर्मित है। तथा अन्य तकनीकी साधनों को विकसित करने की योजना है।

13. श्री दक्षिणामूर्ति गो-सेवा समिति, कोलकाता

महाराजजी ने एक ट्रस्ट बनाया है। जिसका कार्यक्षेत्र हरिद्वार में है। उसी के शाखा के रूप में राजघाट कोलकाता में एक विशाल भूखण्ड लिया गया है। वहाँ भी भक्तों के सहयोग से एक विशाल सभा भवन एवं सुन्दर शिव पञ्चायतन मन्दिर के साथ एक वैदिक पाठशाला एवं सन्त निवास सत्सङ्ग भवन बनाने की योजना है। जो निकट भविष्य में प्रारम्भ होने वाला है। कालिकापुर, काशीनाथपुर, राजरहाट, कोलकाता-700135
सम्पर्क :- +91-9830558103

14. श्री दक्षिणामूर्ति पीठ महासंस्थानम्, उज्जैन

भगवान् महाकाल के नगरी में भी महाराज जी ने एक विशाल शिव पञ्चायतन मन्दिर एवं एक सुन्दर भवन बनाया है। एवं आगे एक भव्य संस्कृत पाठशाला खोलने की योजना है। प्लॉट नंबर 2569/1, नरसिंह घाट रोड, ऑपोजिट सोऽहम् आश्रम, उज्जैन-456010



निधये सर्वविद्यानां भिषजे भवरोगिणाम्।
गुरवे सर्वलोकानां दक्षिणामूर्तये नमः।।

।। श्रीदक्षिणामूर्तये नमः ।।



श्री दक्षिणामूर्ति पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
श्री १००८ स्वामी पुण्यानन्द गिरि जी महाराज
द्वारा सञ्चालित संस्थाओं का

संक्षिप्त परिचय